PCS मंत्र

पीसीएस/यूपीएससी परीक्षा-उन्मुख समसामयिकी

तंदूर अरहर का पहला GI-टैग निर्यात: ऑस्ट्रेलिया को 2.5 टन खेप

समाचार-संदर्भ: 28 अक्टूबर 2026 (पहली निर्यात खेप का शुभारंभ, हैदराबाद)

प्रकाशन: 31 अक्टूबर 2026

मुख्य परीक्षा: GS-III (कृषि, खाद्य-प्रसंस्करण, निर्यात): GI टैग, FPO, किसान-आय, निर्यात-संतुलन

प्रिलिम्स: तंदूर अरहर GI; APEDA; ECTA; 2.5 MT खेप; येलाल FPC



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

28 अक्टूबर 2026 को **GI-टैग प्राप्त तंदूर अरहर (रेड ग्राम/तूर)** की पहली निर्यात खेप **ऑस्ट्रेलिया** के लिए हैदराबाद से रवाना हुई। **APEDA** (कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय) की सुविधा से भेजी गई **2.5 मीट्रिक टन** की यह खेप समुद्री मार्ग से जा रही है। हैदराबाद स्थित **दुर्गा एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स** इसे 'AMMAAS' ब्रांड से निर्यात कर रही है, जबकि ऑस्ट्रेलिया में इसका आयात **भरतमा PTY Ltd.** करेगी (PTI)।

खेप को तेलंगाना के कृषि एवं सहकारिता सचिव **सुरेंद्र मोहन** और APEDA के AGM **आर.पी. नायडू** ने हाइब्रिड कार्यक्रम में झंडी दिखाई; विदेश व्यापार क्षेत्रीय प्राधिकरण के अपर निदेशक डॉ. संपत कुमार भी उपस्थित थे। 29 अक्टूबर 2026 को **केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल** ने (PIB रिलीज) इस खेप का उल्लेख **भारत-ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौते** के उपयोग के उदाहरण के रूप में किया और कहा कि ऐसे निर्यात से बड़े उद्योगों के साथ-साथ किसानों और छोटे उत्पादकों को भी अवसर मिलते हैं।

PCSMANTRA.COM

तंदूर अरहर और GI टैग

तंदूर अरहर **तेलंगाना का पहला कृषि उत्पाद** है जिसे भौगोलिक संकेत (GI) पंजीकरण मिला (PTI)। GI रजिस्ट्री (ipindia.gov.in) के अनुसार इसका आवेदन (संख्या 706) **येलाल फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड** (जिला विकाराबाद) ने 24 सितंबर 2020 को दायर किया था और **GI प्रमाणपत्र (संख्या 430) 6 दिसंबर 2022** को जारी हुआ।

यह फसल मुख्यतः तंदूर क्षेत्र के चार मंडलों - **तंदूर, बशीराबाद, पेद्देमुल और येलाल** - के वर्षा-आधारित भू-भाग में उगाई जाती है। इसकी विशिष्टता क्षेत्र की गहरी काली मिट्टी, **अटापल्गाइट** चिकनी-मिट्टी खनिज और चूना-पत्थर निक्षेपों से जुड़ी है। इसमें लगभग **22-24 प्रतिशत प्रोटीन** होता है - अनाजों की तुलना में करीब तीन गुना - और यह अपने स्वाद, पकने की गुणवत्ता और लंबे भंडारण के लिए जाना जाता है (PTI)।

उत्पादन दबाव और सूखा

तेलंगाना टुडे की रिपोर्ट के अनुसार विकाराबाद जिले में 2025-26 में अरहर का उत्पादन **1.67 लाख क्विंटल** रहा; इस वर्ष फसल **1.11 लाख एकड़** में बोई गई, लेकिन लंबे शुष्क दौर और अनियमित बिजली आपूर्ति से खेत सूख गए हैं और फसल-क्षति की खबरें हैं। इस पृष्ठभूमि में निर्यात-विस्तार के साथ घरेलू उपलब्धता और कीमतों का संतुलन भी प्रश्न बना हुआ है।

आगे की राह

पहली खेप के बाद नजर तीन बातों पर होगी। पहला, **बाजार-निरंतरता**: प्रतीकात्मक खेप को नियमित निर्यात-प्रवाह में बदलना, जिसमें GI आवेदक येलाल FPC जैसे किसान-संगठनों और पंजीकृत निर्यातकों की कड़ी केंद्रीय होगी। दूसरा, **FTA उपयोग**: केंद्रीय मंत्री का भारत-ऑस्ट्रेलिया समझौते के अधिक उपयोग का आह्वान अन्य GI कृषि उत्पादों के लिए भी मार्ग खोलता है। तीसरा, **आपूर्ति-संतुलन**: सूखे से प्रभावित फसल के बीच निर्यात और घरेलू दाल-उपलब्धता के बीच संतुलन नीतिगत निगरानी मांगेगा।

परीक्षा दृष्टिकोण

प्रिलिम्स-बिंदु: तंदूर अरहर = GI पंजीकरण पाने वाला तेलंगाना का पहला कृषि उत्पाद (आवेदन 706; प्रमाणपत्र 6 दिसंबर 2022; आवेदक येलाल FPC); APEDA = वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का निर्यात-विकास प्राधिकरण; पहली खेप 2.5 मीट्रिक टन, ऑस्ट्रेलिया, 28 अक्टूबर 2026, समुद्री मार्ग; निर्यातक दुर्गा एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स (ब्रांड AMMAAS); चार मंडल = तंदूर, बशीराबाद, पेद्देमुल, येलाल; भारत-ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौता (ECTA)।

मुख्य परीक्षा: GS-III (कृषि, खाद्य-प्रसंस्करण, निर्यात): GI टैग और कृषि-निर्यात मूल्य-शृंखला; FPO की भूमिका और किसान-आय; दालों में उत्पादन-सुरक्षा और निर्यात-संतुलन; जलवायु-दबाव (सूखा) और वर्षा-आधारित कृषि का जोखिम।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. "GI टैग क्षेत्रीय कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने और किसानों की आय बढ़ाने का उपकरण बन सकता है।" तंदूर अरहर के पहले ऑस्ट्रेलिया निर्यात के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए। 10 अंक)

PCSMANTRA.COM

भूमिका में

28 अक्टूबर 2026 की पहली खेप (2.5 मीट्रिक टन, ऑस्ट्रेलिया, APEDA-सुविधा) और 6 दिसंबर 2022 का GI पंजीकरण उद्धृत कर प्रारंभ करें।

मुख्य भाग में

दिखाएँ कि GI पहचान, गुणवत्ता-विश्वास और विभेदित मूल्य दिलाता है: अटापल्गाइट मिट्टी-आधारित विशिष्टता, 22-24% प्रोटीन, ब्रांड (AMMAAS) और FTA-मार्ग। APEDA जैसी संस्थागत सुविधा और येलाल FPC जैसे किसान-संगठन मूल्य-

शृंखला को किसान तक पहुंचाते हैं। सीमाएँ भी लिखें: सूखे से उत्पादन-दबाव (1.67 लाख क्विंटल, 1.11 लाख एकड़), घरेलू उपलब्धता-कीमत संतुलन, और निर्यात की निरंतरता पर निर्यातक-नेटवर्क की निर्भरता।

निष्कर्ष में

निष्कर्ष दें कि GI टैग अवसर का द्वार है, परिसीमन नहीं: किसान-आय में वास्तविक वृद्धि FPC-सुदृढ़ीकरण, आपूर्ति-स्थिरता और निर्यात-निरंतरता पर निर्भर करेगी।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. तंदूर अरहर के GI टैग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: तंदूर अरहर भौगोलिक संकेत (GI) पंजीकरण प्राप्त करने वाला तेलंगाना का पहला कृषि उत्पाद है।
कथन-II: इसका GI प्रमाणपत्र वर्ष 2020 में जारी हुआ था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं

(b) कथन-I सही है, किंतु कथन-II सही नहीं है

(c) कथन-I सही नहीं है, किंतु कथन-II सही है

(d) कथन-I और कथन-II दोनों सही नहीं हैं

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) कथन-I सही है, किंतु कथन-II सही नहीं है। PTI के अनुसार तंदूर अरहर GI पंजीकरण पाने वाला तेलंगाना का पहला कृषि उत्पाद है (कथन-I सही)। GI रजिस्ट्री के अनुसार आवेदन 24 सितंबर 2020 को दायर हुआ, लेकिन प्रमाणपत्र 6 दिसंबर 2022 को जारी हुआ (कथन-II गलत)।

प्रश्न 2. तंदूर अरहर की पहली निर्यात खेप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. खेप 2.5 मीट्रिक टन की थी और इसका गंतव्य ऑस्ट्रेलिया है।
2. खेप हवाई मार्ग से भेजी गई।
3. खेप की सुविधा APEDA ने दी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

PCSMANTRA.COM

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c) केवल 1 और 3। PTI के अनुसार 2.5 मीट्रिक टन की खेप ऑस्ट्रेलिया के लिए हैदराबाद से रवाना हुई (1 सही) और APEDA ने इसकी सुविधा दी (3 सही); खेप समुद्री मार्ग से भेजी गई है, हवाई मार्ग से नहीं (2 गलत)।

स्रोत

- प्रेस सूचना ब्यूरो: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का तेलंगाना में FTA उपयोग बढ़ाने का आह्वान; तंदूर अरहर खेप का उल्लेख (29 अक्टूबर 2026)
- GI रजिस्ट्री (IP India): तंदूर रेडग्राम, आवेदन संख्या 706 - पंजीकरण विवरण
- PTI (डेक्कन क्रॉनिकल): पहली निर्यात खेप का विस्तृत विवरण (28 अक्टूबर 2026)
- द हिंदू: तंदूर अरहर की पहली खेप का शुभारंभ (28 अक्टूबर 2026)
- तेलंगाना टुडे: सूखे से फसल-क्षति और उत्पादन आंकड़े (अक्टूबर 2026)
- इकोनॉमिक टाइम्स: पीयूष गोयल का वक्तव्य - 'भारत के GI उत्पाद दुनिया जीत रहे हैं' (29 अक्टूबर 2026)

PCSMANTRA.COM